माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान,अजमेर

मॉडल प्रश्न पत्र उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022

विषय– हिन्दी (अनिवार्य)

कक्षा–12

समयः 2 घण्टे 45 मिनट **पूर्णांकः80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–

GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

   Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsorily.

2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

   All the questions are compulasory.

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

   Write the answer to each question in the given answer book only.

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

   For questions having more than one part the answers to those parts are to be written together in continuity.

5. प्रश्न पत्र के हिन्दी पर अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/ अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।

   If there is any error/difference/contradiction in Hindi & English version of the question paper, the question of the Hindi version should be treated valid.

(खण्ड अ)

बहुविकल्पी प्रश्न

1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए :–

हिन्दी में राम काव्य की विस्तृत परम्परा मिलती है। हिन्दी में सर्वप्रथम सं. 1342 में लिखित कवि भूपति कृत 'रामचरित रामायण' का संकेत मिलता है, परन्तु उसकी अभी तक कोई प्रतिलिपि उपलब्ध नहीं है। हिन्दी में तुलसी ही रामायण के प्रमुख कवि हैं। तुलसी के समकालीन कवियों में से मुनिलाल कृत 'रामप्रकाश' काव्य मिलता है, जो रीति शास्त्र के आधार पर लिखा गया है। महाकवि केशव ने 'रामचन्द्रिका' नामक महाकाव्य की रचना की है, जिसमें काव्य कौशल का तो प्राधान्य है, परन्तु चरित्र–चित्रण एवम् प्रबंधात्मकता की उपेक्षा की गई है। सेनापति ने भी अपने 'कवित्त रत्नाकार' में चौथी एवम् पाँचवीं तरंगों के अन्तर्गत रामायण एवम् राम रसायन का वर्णन किया है। तुलसी के समाकालीन कवियों के उपरान्त भी हिन्दी में राम–काव्य के दर्शन होते हैं। इनमें से हृदयाराम कृत 'हनुमन्नाटक' मिलता है। तदुपरान्त प्राणचंद्र चौहान कृत ' रामायण महानाटक' मिलता है जो संवाद रूप में लिखा गया है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है – 1

(अ) तुलसी काव्य | (ब) राम काव्य
(स) केशव काव्य | (द) उपर्युक्त सभी

1 (ii) निम्न में से किस काव्य की अभी तक कोई प्रतिलिपि प्राप्त नहीं हुई है – 1

(अ) रामचरित रामायण | (ब) रामप्रकाश काव्य
(स) रामचित्रण | (द) रामचरित मानस

1 (iii) निम्न में से कौनसा काव्य रीतिकाल के आधार पर लिखा गया है – 1

(अ) रामचरित रामायण | (ब) रामप्रकाश
(स) हनुमन्नाटक | (द) रामचंद्रिका

1 (IV) 'रामचन्द्रिका' काव्य के कवि है – 1

(अ) सूरदास | (ब) तुलसीदास
(स) केशव | (द) मुनिलाल

1 (V) निम्न में से कौनसा काव्य संवाद रूप में लिखा गया है – 1

(अ) रामायण महानाटक | (ब) रामचरित रामायण
(स) राम प्रकाश | (द) रामचंद्रिका

1 (VI) निम्न में से ' राम भक्ति' के कवि नहीं है 1

(अ) तुलसीदास | (ब) केशव
(स) हृदयाराम | (द) सूरदास

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए–

यह अंतिम जप, ध्यान में देखते चरण युगल
राम ने बढ़ाया कर लेने को नीलकमल।
कुछ लगा ना हाथ, हुआ सहसा स्थिर मन चंचल,
ध्यान की भूमि से उतरे, खोले पलक विमल।
देखा, वहाँ रिक्त स्थान, यह जप का पूर्ण समय,
आसन छोड़ना असिद्धि, भर गए नयनद्वय
''धिक् जीवन को जो पाता ही आया है विरोध
धिक् साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध
जानकी! हाय उद्वार प्रिया का हो न सका,
वह एक और मन रहा राम का जो न थका
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय,
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त कर जय,
बृद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युतगति हतचेतन
राम में जगी स्मृति हुए सजग पा भाव प्रमन
'' यह है उपाय'' कह उठे राम ज्यों मन्द्रित घन
''कहती थीं माता, मुझको सदा राजीव नयन।
दो नील कमल है शेष अभी, यह पुनश्चरण
पूरा करता हूँ देकर मातः एक नयन।''

1 (vii) राम की माता उन्हें क्या कहती थी ? 1

(अ) रघुनंदन (ब) राम
(स) राजीवनयन (द) कमलनयन

1 (viii) राम की शक्तिपूजा में कमल पुष्प कौन चुरा लेता है ? 1

(अ) रावण (ब) जाम्बवान
(स) महाशक्ति (द) हनुमान

1 (ix) राम ने किसको पराजित करने के लिए शक्ति की उपासना की ? 1

(अ) रावण (ब) मारीच
(स) कंस (द) मेघनाद

1 (x) ' दो नील कमल है शेष अभी' राम किन नील–कमलों की बात कर रहे है ? 1

(अ) नेत्र (ब) कर
(स) पुष्प (द) उपर्युक्त सभी

1 (xi) 'नीलकमल' शब्द में अलंकार है – 1

(अ) उपमा (ब) रूपक

(स) उत्प्रेक्षा (द) यमक

1 (xii) 'नयन' शब्द के पयार्यवाची शब्द है – 1

(अ) नेत्र, आँख, चक्षु (ब) चक्षु, कर, नेत्र

(स) दृग, लोचन, चरण (द) लोचन, नेत्र, चरण

निम्नलिखित रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए

(i) जिस भाषा को बालक अपनी माँ तथा परिवार द्वारा सीखता है उसे .... कहते है। 1

(ii) हिन्दी .... लिपि में लिखी जाती है 1

(iii) ''मेरा घर गंगा पर है''। वाक्य में .... शब्द शक्ति है। 1

(iv) शब्द की जिस शक्ति से किसी शब्द के सबसे साधारण, लोक प्रचलित अर्थ का बोध हो .... होती है। 1

(v) ''मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ।'' उक्त काव्य पंक्ति में .... अलंकार है। 1

(vi) ''भगवान भक्तों की भयंकर भूरि बिसारिये'' उक्त काव्य पंक्ति में 'भ' वर्ण की .... के कारण .... अलंकार है। 1

प्रश्न 2 निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए।

(i) निम्न पारिभाषिक शदों के अर्थ लिखिए **A - Applicant,** **B - Accuse** +½=1

(ii) 'संक्षेप' शब्द के लिए पारिभाषिक शब्द लिखिए। 1

(iii) मेंढ़क मंडली का दूसरा नाम क्या था ? 1

(iv) फीचर लेखन क्या है ? 1

(v) किशन दा की कौन सी छवि यशोधर बाबू के मन में बसी हुई थी। 1

(vi) कौन सी बात यशोधर बाबू कभी–कभी तंजिया (व्यंग्यात्मक) कहते हैं ? 1

(vii)'पाठशाला में लेखक का विश्वास क्यों बढ़ने लगा। 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए। 1

(viii) 'जूझ' पाठ आनंद यादव के किस प्रकार के उपन्यास का अंश है। 1

(ix) लेखक को कब लगा कि उसके नए पंख निकल आए है। 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए। 1

(x) कुँवर नारायण की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। 1

(xi) हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म कब और कहां हुआ ? 1

(खण्ड ब)

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में दीजिए।

4. प्रिंट माध्यम की किन्हीं दो कमियों को समझाइए। 2

5. हिन्दी में ''नेट पत्रकारिता'' पर टिप्पणी लिखिए। 2

6. खेलों की ओर बढ़ता रूझान' विषय पर एक संक्षिप्त आलेख तैयार कीजिए। 2

7. कैमरे में बंद अपाहिज' कविता की मूल संवेदना लिखिए। 2

8. 'कविता एक खेल है बच्चों के बहाने'। पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

9. भगत जी पर बाजार का जादू नहीं चलता क्यों ? 2

10. "भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था।" कैसे ? स्पष्ट कीजिए। 2

11. यशोधर बाबू को घर जल्दी लौटना पसंद नहीं था। क्यो ? कारण स्पष्ट कीजिए। 2

12. यदि आप दत्ता जी राय के स्थान पर होते तो लेखक की मदद कैसे करते ? 2

(खण्ड स)

निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

13. भूलना 'दंड' सही, फिर भी पुरस्कार मानकर ही ग्रहण करना चाहिए। 'सहर्ष स्वीकारा है।' कविता के आधार उक्त कथन की समीक्षा कीजिए। 3

अथवा

''फिराक गोरखपुरी की रूबाइयों की भाषा एवं प्रसंग सूरदास के वात्सल्य वर्णन की सादगी की याद दिलाता है।'' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

14. ''लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा तो बाकी सब रफ्ता–रफ्ता ठीक हो जाएगा।'' इस कथन के द्वारा लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है तर्क सहित उत्तर दीजिए। 3

अथवा

शिरीष की तुलना गांधी जी से करते हुए स्पष्ट कीजिए की शिरीष को अवधूत क्यों माना गया है ? 3

15. 'सिल्वर वैडिंग' पीढ़ी के वैचारिक अंतराल की कहानी है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

एक गुरू किस प्रकार एक विद्यार्थी के जीवन को नई दिशा दे सकता है, जूझ पाठ के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

16. शमशेर बहादुर सिंह का कवि परिचय लिखिए। 3

अथवा

महादेवी वर्मा का लेखक परिचय लिखिए। 3

(खण्ड द)

17. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (2+4=6)

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हो जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।
मैं रोया, इसको तुम कहते हो गाना,
मैं फूट पड़ा, तुम कहते, छंद बनाना ;
क्यों कवि कहकर संसार मुझे अपनाए,
मैं दुनिया का हूँ एक नया दीवाना।

अथवा

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास,
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौडते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक –
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत

18. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (2+4=6)

इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज है। कभी–कभी कैसे–कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या है ? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी–बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम–निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे है ? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं ? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

अथवा

किन्तु रात में फिर पहलवान की ढोलक की आवाज, प्रतिदिन की भाँति सुनाई पड़ी। लोगों की हिम्मत दुगुनी बढ़ गई संतप्त पिता माताओं ने कहा– '' दोनों पहलवान बेटे मर गए, पर पहलवान की हिम्मत तो देखो, डेढ़ हाथ का कलेजा है।''

चार–पाँच दिनों के बाद। एक रात को ढोलक की आवाज नहीं सुनाई पड़ी। ढोलक नहीं बोली। पहलवान के कुछ दिलेर, किन्तु रूग्ण शिष्यों ने प्रातः काल जाकर देखा–पहलवान की लाश 'चित' पडी है। आंसू पोंछते हुए एक ने कहा' ''गुरू जी कहा करते थे कि जब मैं मर जाऊँ तो चिता पर मुझे चित नहीं, पेट के बल सुलाना। मैं जिंदगी में कभी 'चित' नहीं हुआ और चिता सुलगाने के समय ढोलक बजा देना।'' वह आगे बोल नहीं सका।

19. अपने विद्यालय के लिए आवश्यक परीक्षा सामग्री हेतु निविदा तैयार कीजिए।

4

अथवा

सचिव मा. शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर की ओर से रीट भर्ती परीक्षा की तिथि में परिवर्तन की विज्ञप्ति तैयार कीजिए।

20. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए (शब्द सीमा 300 शब्द)

5

1. वैश्विक महामारी के दौर में ऑनलाईन शिक्षण
2. राजस्थान की सतरंगी संस्कृति
3. महिला सशक्तिकरण
4. पेट्रोल एवम् डीजल की बढ़ती कीमतें।